

# न्यू एजुकेशन हब : 2 नई निजी यूनिवर्सिटी खुलेंगी; 30 नए कोर्स मंजूर, पहली बार इंजीनियरिंग-मैनेजमेंट कॉलेज 100 के पार



दिनेश जोशी | इंदौर

इस साल छात्र संख्या सवा 3 लाख पार, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के दायरे में 306 कॉलेज

प्रोफेशनल एजुकेशन में भी रुचि बढ़ी, मैनेजमेंट-इंजीनियरिंग के साथ 500 से ज्यादा कोर्स चल रहे अलग-अलग कॉलेजों में

इंदौर देश का नया एजुकेशन हब बन गया है। आईआईटी, आईआईएम के साथ देश के सभी टॉप एजुकेशन ग्रुप यहां हैं। इस साल दो नई निजी यूनिवर्सिटी खुलेंगी। सरकार की मंजूरी के बाद मई में एडमिशन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। वहीं देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से संबद्धता प्राप्त कॉलेजों और अलग-अलग निजी यूनिवर्सिटी में 30 नए कोर्स को मंजूरी मिल गई है। इनमें भी नए सत्र से एडमिशन प्रक्रिया शुरू होगी। यही नहीं डीएवीवी से संबद्धता प्राप्त कॉलेजों की संख्या 306 पर पहुंच जाएगी। अभी तक 296 कॉलेज थे। डीएवीवी के दायरे में इंदौर के साथ खंडवा, खरगोन, आलीराजपुर, झाबुआ, धार और बड़वानी सहित करीब आठ जिलों के कॉलेज आते हैं।

जानकार भी कहते हैं कि इंदौर एजुकेशन हब सिर्फ कहने के लिए नहीं है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उसका दायरा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले तीन चार सालों में लगातार नए मैनेजमेंट व इंजीनियरिंग कॉलेज भी खुले हैं। पिछले साल यानी 2021-2022 के सत्र में जो छात्र संख्या 3 लाख 4 हजार थी, वह अब सवा 3 लाख पार हो गई है। प्रोफेशनल एजुकेशन में रुचि बढ़ी है। क्योंकि अब मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या ही 100 के पार यानी 121 पर पहुंच गई है। इसमें 66 मैनेजमेंट और 55 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं।

अन्य राज्यों के छात्र यहां आकर लॉ में ले रहे एडमिशन, यही वजह है कि लॉ कॉलेजों की संख्या हो गई 20 के पार



डीएवीवी का तक्षशिला कैम्पस

लॉ कोर्सेस के मामले में भी इंदौर में बड़ा बदलाव आया है। अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से आकर छात्र यहां लॉ कोर्स में एडमिशन ले रहे हैं। 2022 के सत्र में ही ऐसे छात्रों की संख्या 200 के पार थी। उसी का असर है कि पहली बार लॉ कॉलेज का आंकड़ा 20 पार पहुंचा है।



300 से ज्यादा कॉलेज हैं अलग-अलग कोर्स से जुड़े

66 मैनेजमेंट (एमबीए) कॉलेज।

20 लॉ कोर्स के कॉलेज।

67 बीएड-एमएड कॉलेज।

12 कॉलेज बीपीएड-एमपीएड कोर्स के।

परंपरागत कोर्स के 140 कॉलेज।

आईआईटी, आईआईएम के साथ एसजीएसआईटीएस और बड़े ग्रुप के संस्थान भी

देश में इंदौर एकमात्र ऐसा शहर है जहां आईआईटी और आईआईएम दोनों हैं। वहीं इंजीनियरिंग में एसजीएसआईटीएस जैसा नामी संस्थान भी है, जिसका गौरवशाली इतिहास है। यहां से पढ़े ज्यादातर छात्र इंदौर में आयोजित प्रवासी सम्मेलन में भी आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ नरसीमुंजी और सिंबॉयसिस जैसे नेशनल लेवल के संस्थान भी हैं। डीएवीवी के 33 टीचिंग विभाग हैं, जिसमें पढ़ने के लिए देशभर से छात्र आते हैं।

एक्सपर्ट बोले- आने वाले पांच सालों में बहुत कुछ बदल जाएगा

हायर एजुकेशन एक्सपर्ट डॉ. रीमा चौधरी कहती हैं कि करीब 10-12 साल पहले इंदौर को एजुकेशन हब कहा जाने लगा था। पिछले तीन-चार सालों में जिस तरह से नए मैनेजमेंट कॉलेज खुले, नई निजी यूनिवर्सिटी आई, उसके बाद स्थिति और भी बदल गई। प्राचार्य व शिक्षाविद डॉ. एसपी सिंह कहते हैं कि इंदौर में एजुकेशन के लिहाज से अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में डीएवीवी और अन्य यूनिवर्सिटी में मिलाकर 100 हजार के आसपास छात्र पीएचडी कर रहे हैं। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है, क्योंकि कई विषयों में क्वालिटी फैकल्टी की कमी है। स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हेड डॉ. कन्हैया आहूजा कहते हैं कि नए प्रोफेशनल कोर्स शुरू करने में भी इंदौर आगे रहा है। बीए इकोनॉमिक्स, बीएससी ऑनर्स जैसे कोर्स हो या मोबाइल कम्प्यूटिंग का कोर्स। डीएवीवी से ही इनकी शुरुआत हुई।

हर साल 50 हजार को मिल रहा प्लेसमेंट प्रक्रिया से जॉब

ये हैं इंदौर एजुकेशन की खासियत

- होलकर साइंस कॉलेज प्रदेश का सबसे टॉप सरकारी साइंस कॉलेज। मॉडल का दर्जा भी है। अब एक्सीलेंस का दर्जा मिलेगा। ऑटोनॉमस पहले से ही है।
- नैक से ए ग्रेड कॉलेजों की संख्या 10 तक पहुंची। प्रदेश की एकमात्र ए प्लस ग्रेड यूनिवर्सिटी डीएवीवी है।
- डीएवीवी का आईएमएस प्रदेश का टॉप मैनेजमेंट संस्थान है।

08

से ज्यादा जिलों के कॉलेज देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के दायरे में आते हैं।